



Mr.Aayush Bhandari



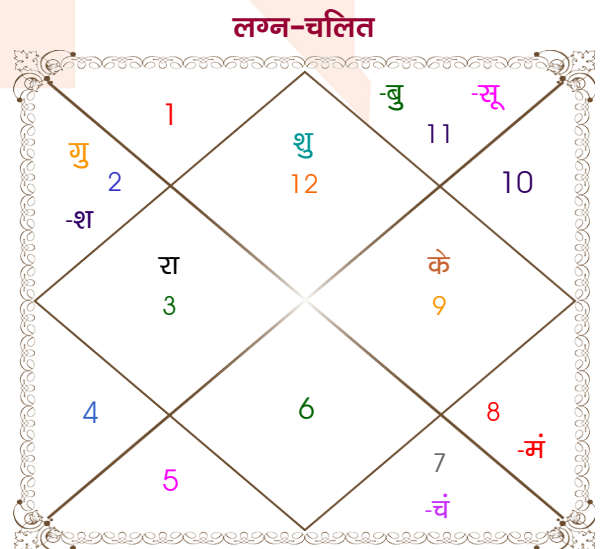
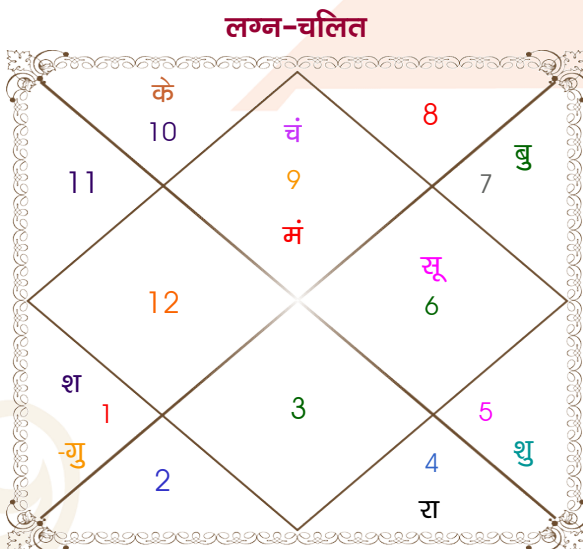
Ms.Surabhi Rathi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119304214

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 16/10/1999 : _____ जन्म तिथि _____ 13/02/2001
 शनिवार : _____ दिन _____ मंगलवार _____
 घंटे 12:12:00 : _____ जन्म समय _____ 09:36:00 घंटे
 घटी 14:40:17 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 06:43:42 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Solapur : _____ स्थान _____ Hyderabad
 17:43:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 17:22:00 उत्तर
 75:56:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 78:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:16 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:16:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:19:53 : _____ सूर्योदय _____ 06:44:09
 18:03:55 : _____ सूर्यास्त _____ 18:16:59
 23:51:00 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 2मा 13दि		18:07:51	धनु	लग्न	मीन	22:40:03	राहु 17वर्ष 9मा 7दि	
चन्द्र		28:36:33	कन्या	सूर्य	कुंभ	00:38:50	गुरु	
28/12/2024		13:51:54	धनु	चंद्र	तुला	06:50:16	21/11/2018	
29/12/2034		05:34:59	धनु	मंगल	वृश्चि	05:15:18	21/11/2034	
चन्द्र	29/10/2025	21:22:19	तुला	बुध व	कुंभ	00:18:05	गुरु	08/01/2021
मंगल	30/05/2026	07:05:14	मेष व	गुरु	वृष	07:54:57	शनि	23/07/2023
राहु	28/11/2027	13:00:49	सिंह	शुक्र	मीन	14:19:15	बुध	27/10/2025
गुरु	29/03/2029	21:29:56	मेष व	शनि	वृष	00:32:07	केतु	03/10/2026
शनि	29/10/2030	15:58:33	कर्क व	राहु व	मिथु	20:53:24	शुक्र	03/06/2029
बुध	29/03/2032	15:58:33	मक व	केतु व	धनु	20:53:24	सूर्य	23/03/2030
केतु	28/10/2032	19:01:58	मक व	हर्ष	मक	27:09:39	चन्द्र	23/07/2031
शुक्र	29/06/2034	07:44:20	मक	नेप	मक	13:04:00	मंगल	27/06/2032
सूर्य	29/12/2034	14:47:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:06:18	राहु	21/11/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण्‌लनी ठीदकंतप का वर्ग मूषक है तथा डैणैतंड़ीप तंजीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्‌लनी ठीदकंतप और डैणैतंड़ीप तंजीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्‌लनी ठीदकंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतण्‌लनी ठीदकंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डैणैतंड़ीप तंजीप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेनैतंड़ीप तंजीप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणंलनी ठीदकंतप तथा डेनैतंड़ीप तंजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

